चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 23.4.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

सुविधा : जर्मनी के क्लास ग्रुप की मदद से सीएसआर में तैयार हुई लैब, वीवी ने किया शुभारंभ

एचएयू में कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैब स्थापित

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में सोमवार को कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैबी का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। यह लैब एचएयू ने जर्मनी के सीएलएएएस ('क्लास') ग्रुप के सहयोग से सीएसआर में स्थापित कराया है। लैब को एचएयू के एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज के फार्म मशीनरी एंड पॉवर इंजीनियरिंग विभाग में स्थापित किया गया। शुभारंभ के दौरान क्लॉस ग्रुप के सेवा समूह की प्रमुख एला डिस्कोटा भी उपस्थित रहीं। इस दौरान डीन डॉ. आरके झोरड़ तथा फार्म मशीनरी एं इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा डॉ. विजया रानी भी उपस्थित रहीं।

एचएयू में सोमवार को कुलपति प्रो. केपी सिंह कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैब का उद्घाटन करते हुए।

हार्वेस्टिंग लैब की जरूरत क्यों : इस प्रकार की लैब की आवश्यकता बताते हुए प्रो. सिंह ने बताया कि कृषि में जितना महत्व बीज व कृषि क्रियाओं का है, उतना ही फार्म मशीनरी का भी है। खेत की तैयारी से लेकर फसल की कटाई तथा थ्रैशिंग (हार्वेस्टिंग) सभी कार्य मशीनों से किए जाते हैं। उन्होंने कहा यदि मशीनें गुणवत्ता तथा क्षमता में बेहतर होंगी और इनको प्रयोग करने वाला भलीभांति प्रशिक्षित होगा तो न केवल कृषि कार्य समय पर व सुगमता से पूरे होंगे अपितु इनसे कृषि पैदावार में भी वृद्धि होगी। इस प्रयोगशाला का किसानों और छात्रों को अत्यन्त लाभ होगा।

छात्रों को क्लॉस ग्रुप से यह मिलेंगी सुविधाएं

इस मौके पर एला डिस्कोटा ने भविष्य में सीएलएएएस द्वारा छात्रवृत्ति, इन-प्लांट प्रशिक्षण, व्याख्यान, सेमिनार द्वारा सहयोग को अगले स्तर तक ले जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय के साथ सहयोग उनका पहला कदम है। छात्रों को कंपनी प्लेसमेंट देने में भी रुचि दिखाई। इस अवसर पर एचएयू के अधिकारी तथा सीएलएएएस ग्रुप से श्रीराम कन्नन, नरेन्द्र नैन, केपी सिंह और संदीप हुड्डा भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 23.4.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 6-8

एचएयू में कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैब की स्थापना, किसानों और छात्रों को फायदा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैब का उद्घाटन किया। इस लैब को विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कालेज के फार्म मशीनरी एंड पावर इंजीनियरिंग विभाग में जर्मनी के सीएलएएएस ('क्लास') ग्रुप के सहयोग से स्थापित किया गया है। इस अवसर पर जर्मनी के सीएलएएएस ग्रुप के सेवा समूह की प्रमुख एला डिस्कोटा भी मौजूद थीं। प्रो. सिंह ने कालेज के डीन डा. आरके झोरड़ और फार्म मशीनरी एंड इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा डा. विजया रानी की अगुवाई में इस लैब में जुटाई गई सुविधाओं का अवलोकन किया। कुलपति प्रो. केपी सिंह कुलपति ने लैब की आवश्यकता जताते हुए कहा कि जितना महत्व बीज व कृषि क्रियाओं का है उतना ही फार्म मशीनरी का भी है। इस प्रयोगशाला का किसानों और छात्रों को लाभ होगा। प्रयोगशाला की स्थापना कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत कॉरपोरेट घरानों को शामिल करने और उद्योग-संस्थान लिंकेज को मजबूत करने के लिए विश्वविद्यालय की एक पहल है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैब का उद्घाटन करते हुए।

कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों को प्लेसमेंट देने भी दिखाई रुचि

जर्मनी के सीएलएएएस ग्रुप के सेवा समूह की प्रमुख एला डिस्कोटा ने भविष्य में सीएलएएएस द्वारा छात्रवृत्ति, इन-प्लांट प्रशिक्षण, व्याख्यान और सेमिनार द्वारा सहयोग को अगले स्तर तक ले जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने हकृवि के छात्रों को कंपनी प्लेसमेंट देने में भी रुचि दिखाई। इस अवसर पर एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कालेज के डीन डा. आरके झोरड़ ने बताया कि इस लैब में कंबाइन हार्वेस्टर के विभिन्न घटकों का वर्किंग मॉडल प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कालेज में विश्व स्तरीय नई ढांचागत सुविधाएं जैसे विडियो कांफ्रेंसिंग, नए क्लास रूम, प्रयोगशालाओं का नवीनीकरण और 6 करोड़ रुपये की लागत से बायोगैस प्लांट का निर्माण आदि जुटाने और नई फैकल्टी नियुक्त करने पर कुलपति का आभार व्यक्त किया। इस लैब से कंबाइन हार्वेस्टर के कार्य को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक 23.4.2019 पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...4-8...

तकनीक | जर्मनी के सीएलएएएस ग्रुप के सहयोग से किया गया स्थापित, लैब में कंबाइन हार्वेस्टर के विभिन्न घटकों का वर्किंग मॉडल प्रदर्शित

एचएयू में कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैब का उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने सोमवार को कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैब का उद्घाटन किया। इस लैब को विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज के फार्म मशीनरी एंड पावर इंजीनियरिंग विभाग में जर्मनी के सीएलएएएस (क्लास) ग्रुप के सहयोग से स्थापित किया गया है। इस अवसर पर जर्मनी के सीएलएएएस ग्रुप के सेवा समूह की प्रमुख एला डिस्कोटा भी उपस्थित थीं। प्रो. सिंह ने कॉलेज के डीन डॉ. आरके झोरड़ तथा फार्म मशीनरी एंड इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा डॉ. विजया रानी की अगुवाई में इस लैब में जुटाई गई सुविधाओं का अवलोकन किया।

लैब में मशीनरी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. केपी सिंह।

कुलपति ने इस प्रकार की लैब की आवश्यकता जताते हुए कहा कि कृषि में जितना महत्व बीज व कृषि क्रियाओं का है, उतना ही फार्म मशीनरी का भी है। खेत की तैयारी से लेकर फसल की कटाई तथा थ्रेशिंग (हार्वेस्टिंग) सभी कार्य मशीनों से किए जाते हैं। उन्होंने कहा यदि मशीनें गुणवत्ता तथा क्षमता में बेहतर होंगी और इनको प्रयोग करने वाला भलीभांति प्रशिक्षित होगा तो न केवल कृषि कार्य समय पर व सुगमता से पूरे होंगे, बल्कि इनसे कृषि पैदावार में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा इस प्रयोगशाला का किसानों और छात्रों को अत्यंत लाभ होगा। इस प्रयोगशाला की स्थापना कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के तहत कॉरपोरेट घरानों को शामिल करने और उद्योग-संस्थान लिंकेज को मजबूत करने के लिए विश्वविद्यालय की एक पहल है।

बेहतर तरीके से समझने में मिलेगी मदद

डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि इस लैब में कंबाइन हार्वेस्टर के विभिन्न घटकों का वर्किंग मॉडल प्रदर्शित किया गया है। विश्व स्तरीय नई ढांचागत सुविधाएं जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, नए क्लास रूम, प्रयोगशालाओं का नवीकरण और 6 करोड़ रुपये की लागत से बायोगैस प्लांट का निर्माण आदि जुटाने और नई फैकल्टी नियुक्त करने पर कुलपति का आभार व्यक्त किया। इस लैब से कंबाइन हार्वेस्टर के कार्य को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा सीएलएएएस ग्रुप से श्रीराम कन्नन, नरेंद्र नैन, संदीप हुड्डा भी उपस्थित थे।

डिस्कोटा ने कहा और मजबूत किए जाएंगे रिश्ते

जर्मनी के सीएलएएएस ग्रुप के सेवा समूह की प्रमुख एला डिस्कोटा ने भविष्य में सीएलएएएस द्वारा छात्रवृत्ति, इन-प्लांट प्रशिक्षण, व्याख्यान-सेमिनार द्वारा सहयोग को अगले स्तर तक ले जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय के साथ सहयोग उनका पहला कदम है। इस सहयोग को और भी मजबूत किया जाएगा। उन्होंने हकृवि के छात्रों को कंपनी प्लेसमेंट देने में भी रुचि दिखाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हरि. भूमि
दिनांक 23.4.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 1-3

हकृवि में कंबाइन हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी लैब तैयार, वीसी ने किया उद्घाटन

फोटो : हरिभूमि

हिसार। लैब में मशीनरी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. केपी सिंह।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने आज कंबाइन हार्वेस्टिंग टैक्नॉलोजी लैब का उद्घाटन किया। इस लैब को विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कालेज के फार्म मशीनरी एंड पावर इंजीनियरिंग विभाग में जर्मनी के सीएलएएस ग्रुप के सहयोग से स्थापित किया गया है।

इस अवसर पर जर्मनी के सीएलएएस ग्रुप के सेवा समूह की प्रमुख एला डिस्कोटा भी उपस्थित थीं। प्रो. सिंह ने कालेज के डीन डॉ. आरके झोरड़ तथा फार्म मशीनरी एण्ड इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा डॉ. विजया रानी की अगुवाई में इस लैब में जुटाई गई सुविधाओं का अवलोकन किया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने इस प्रकार की लैब की आवश्यकता जताते हुए कहा कि कृषि में जितना महत्त्व बीज व कृषि क्रियाओं का है उतना ही फार्म मशीनरी का भी है। खेत की तैयारी से लेकर फसल की कटाई तथा थ्रैशिंग सभी कार्य मशीनों से किए जाते हैं।

उन्होंने कहा यदि मशीनें गुणवत्ता तथा क्षमता में बेहतर होंगी और इनको प्रयोग करने वाला भलीभांति प्रशिक्षित होगा तो न केवल कृषि कार्य समय पर व सुगमता से पूरे होंगे अपितु इनसे कृषि पैदावार में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा इस प्रयोगशाला का किसानों और छात्रों को अत्यन्त लाभ होगा। उन्होंने कहा इस प्रयोगशाला की स्थापना कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत कॉरपोरेट घरानों को शामिल करने और उद्योग-संस्थान लिंकेज को मजबूत करने के लिए विश्वविद्यालय की एक पहल है। उन्होंने बताया यह विश्वविद्यालय निजी क्षेत्र के साथ सहयोग से कृषक समुदाय और छात्रों के कौशल विकास के लिए विश्वस्तीय सुविधाएं तैयार कर रहा है।

इस अवसर पर एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टैकनोलोजी कालेज के डीन डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि इस लैब में कंबाइन हार्वेस्टर के विभिन्न घटकों का वर्किंग मॉडल प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कालेज में विश्व स्तरीय नई ढांचागत सुविधाएं जैसे विडियो कानफ्रैनसिंग, नए क्लास रूम, प्रयोगशालाओं का नवीकरण और 6 करोड़ रूपए की लागत से बायोगैस प्लांट का निर्माण आदि जुटाने और नई फैकल्टी नियुक्त करने पर कुलपति का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 22.4.2019 पृष्ठ सं. 16 कॉलम 3-5

निर्माण 30 साल बाद फिर से वजूद में आएगा बास्केटबॉल स्टेडियम

एचएयू बास्केटबॉल स्टेडियम का होगा पुनर्निर्माण

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का 1970 से भी पहले बना और बितते वक्त के साथ जर्मीदोज हो चुका बास्केटबॉल स्टेडियम फिर से जिंदा हो रहा है। 30 ट्रॉली मिट्टी और 10 ट्रॉली झाड़ियां व अन्य कचरा निकालने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन अब इस स्टेडियम का पुनर्निर्माण करेगा। बास्केटबॉल स्टेडियम के साथ विश्वविद्यालय का लगभग 5 दशक पुराना रिश्ता रहा है।

विश्वविद्यालय का यह बॉस्केट बॉल स्टेडियम एतिहासिक है। 1970 में विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही संस्थान के वैज्ञानिक और विद्यार्थी यहां खेलते थे। तब बास्केट बॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी और एचएयू के वैज्ञानिक डा. सूर्यकांत दहिया भी इस मैदान पर प्रेक्टिस करते थे। फार्म से आते वक्त रास्ते में हुए एक हादसे में उनकी जान चली गई थी। उनकी याद में विश्वविद्यालय प्रशासन की और से डा. सूर्यकांत दहिया मेमोरियल नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आगाज किया गया था। पूरे देश की टीमें इसी ग्राउंड पर बास्केट बॉल खेलने आती थी। 90 के दशक में एक बार यहां अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप भी हुई, जिसमें इजराइल और मिश्र की टीमें भी यहां पर खेलीं। इसके बाद धीरे-धीरे विश्वविद्यालय का यह मैदान इतिहास के पन्नों में दफन हो गया था।

मिट्टी निकालने के बाद एचएयू का बास्केटबॉल स्टेडियम, जिसका अब पुनर्निर्माण होगा।

टीलों पर उगाई जाएगी घास

डीएसडब्ल्यू ऑफिस के साथ लगते इस बॉस्केटबॉल स्टेडियम के एक तरफ मिट्टी के छोटे टिल्ले हैं, जहां घास उगाई जाएगी। वहीं कीकर के पेड़ों को हटाकर वहां अन्य पेड़ लगाए जाएंगे। डा. देवेंद्र के अनुसार इस स्टेडियम के साथ तालाब भी हैं ।

शुरू होगी डा. सूर्यकांत चैंपियनशिप

छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय में हॉकी, वॉलीबाल और बास्केटबॉल की तीन नेशनल चैंपियनशिप आरंभ से ही चलती रही हैं। डा. सूर्यकांत मेमोरियल बॉस्केटबॉल स्पर्धा शुरु करवाया जाएगा।